1 करोड़ 57 लाख पाठकों का विश्व कीर्तिमान

दैनिक भास्कर

जयपुर । मंगलवार 8 जून, 2004 । आषाढ़ कृष्ण-6, 2061

नाट्य प्रशिक्षण शिविर संपन्न

भास्कर न्यूज, भरतपुर, 7 जून।

संगीत, नृत्य एवं नाटक के क्षेत्र में कार्यरत राजस्थान की अग्रणी संस्था त्रिवेणी कला संगम की ओर से बडा नगला गांव में आयोजित एकबीस दिवसीय संगीत नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। जिसमें प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं कत्थक नृत्य कलाकार डा.कैलाश चन्द्र शर्मा द्वारा छोटे-छोटे चार नाटकों एवं उनके द्वारा लिखे ढूढाढी गीतों की तैयारी के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को रंग-भाषा, स्टेज के नियम, शब्दों के उच्चारण, भाव पक्ष सुर, ताल एवं लय की बारीकी से जानकारी दी गई। शिविर समापन समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ जिसमें कत्थक नृत्य के तोडों का प्रस्तुतीकरण प्रभावशाली था। इसके अतिरिक्त डा.कैलाश चंद शर्मा द्वारा लिखित नाटक तुक्के का बादशाह, मन चंगा तो कठौती में गंगा, आन्तन चेखब द्वारा लिखित नाटक-गिरगिट, तीन गीत तथा दो ढूढाढी नृत्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। जबकि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती कमला, हीरालाल, उदयराम तथा पूरण सिंह धाकड का पूर्ण सहयोग रहा।

राजस्थान पत्रिका अलवर, सोमवार 7 जून 2004

नृत्य व नाट्य प्रशिक्षण शिविर

भरतपुर, 6 जून। त्रिवेणी कला संगम जयपुर की ओर से बड़ा नगला गांव में एक बीस दिवसीय संगीत, नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के समापन पर डॉ.कैलाशचंद शर्मा द्वारा लिखित नाटक-तुक्के का बादशाह, मन चंगा तो कठौती में गंगा, आनन्त चेखब द्वारा लिखित नाटक-गिरगिट, तीन गीत तथा दो ढूंढाढी नृत्य प्रस्तुत किए गए। नाटक-मन चंगा तो कठौती में गंगा ने एक चापलूस नाई की सटीक प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। डॉ.शर्मा द्वारा ढूंढारी में लिखित पांच गीतों का बृजभाषी बालिकाओं द्वारा शुद्ध उच्चारण के साथ गायन किया। ढूंढाढी नृत्यों ने हर दर्शक को प्रभावित किया।

भरतपुर भास्कर

■ बयाना ■ डीग ■ कुम्हेर ■ नदबई ■ नगर ■ कामां ■ धौलपुर ■ बाड़ी ■ बसेड़ी ■ सैंपऊ

त्रिवेणी कला संगम की सांस्कृतिक प्रस्तुति

भास्कर न्यूज, भरतपुर, 19 सितंबर।

गणेश चतुर्थी के दिन त्रिवेणी कला संगम द्वारा अपने नवम स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में डा. कैलाश चंद शर्मा द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक मिठ्ठन हलवाई, मन चंगा तो कठौती में गंगा तथा जैसे को तैसा हास्य नाटकों एवं

बृजभाषी बालिकाओं के द्वारा ढूंढारी गीतों के माध्यम से महाभारतकालीन स्थान मैड विराटनगर क्षेत्र के आज से लगभग 50 वर्ष पूर्व के ग्राम्य जीवन्त की जीवन प्रस्तुतियां की गई। समारोह में लघु नाटकों में डा. कैलाश चन्द्र शर्मा, माधुरी, सीमा एवं कल्पना धाकड़ ने अपने उत्कृष्ट अभिनय एवं गायन से दर्शकों को लोटपोट करके अपनी योग्यता का परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, भरतपुर के वयोवृद्ध संगीतज्ञ दुर्गासिंह थे जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में डा. रमेश वर्मा, डा. मुकेश वशिष्ट आदि उपस्थित थे।

1 करोड़ 57 लाख पाठकों का विश्व कीर्तिमान

दैनिक भास्कर

भरतपुर। सुरसंगम संस्थान की संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं।

संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

भास्कर न्यूज़, भरतपुर, 6 अक्टूबर।

सुरसंगम संस्थान जयपुर की ओर से आयोजित 18वीं अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता में कल्पना, पदमिनी एवं अलका धाकड़ ने क्रमशः लोकगीत, सुगम संगीत एवं शास्त्रीय गायन वर्ग की प्रतियोगिताओं में भरतपुर अंचल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

18वीं अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता में बड़ा नगला (इटामड़ा) निवासी डा. कैलाशचंद्र शर्मा की शिष्याओं कल्पना, पदमिनी एवं अलका धाकड़ ने गत दिनों जवाहर कला केन्द्र में आयोजित संगीत की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के प्रथम पारी में सफलता प्राप्त कर जयपुर दूरदर्शन की रिकार्डिंग में कीर्तिमान स्थापित किया।

अलवर, शुक्रवार 8 अक्टूबर, 2004

राजस्थान पत्रिका

सुर संगम राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता में शामिल होने गए विद्यार्थी।

ब्रज बालाओं ने गाए ढूंढाड़ी गीत

भरतपुर, 7 अक्टूबर। सुर संगम संस्थान की ओर से गत दिनों जयपुर में आयोजित अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता में भरतपुर की छात्राओं ने भी अपनी प्रस्तुति दी।इन छात्राओं ने प्रथम दौर में जीत दर्ज कर भरतपुर अंचल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। त्रिवेणी कला संगम के सचिव कैलाशचंद शर्मा ने बताया कि उनकी छात्राएं कल्पना, अल्का और पद्मिनी धाकड़ ने संगीत की इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ढूंढाड़ी लोक गीत 'होळया-होळया चाल भायली...' पर अपनी नृत्य प्रस्तुति दी और प्रथम चरण में विजेता रही।संस्थान के सचिव और भरतपुर में पंजाब नेशनल बैंक अटलबंधशाखा के प्रबन्धक डॉ.शर्मा ने बताया कि इन छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की ऐसी प्रतियोगिताओं में पहले प्रयास में ही अच्छी सफलता हासिल की है।

अमर उजाला

आगरा, शुक्रवार 28 मई 2004 ज्येष्ठ शुक्ला 9 संवत् 2061

तहसील वैर में त्रिवेणी कला संगम के चल रहे प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षु बालिकाओं को नृत्य की जानकारी देते डा. कैलाश चंद्र शर्मा। छाया-अमर उजाला

संगीत, नाटक व नृत्य का प्रशिक्षण शिविर जारी

प्रतिनिधि

भरतपुर। त्रिवेणी कला संगम द्वारा वैर तहसील के ग्राम इटामदा में 17 मई से 20 दिवसीय संगीत, नाटक एवं नृत्य का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

शिविर में प्रसिद्ध रंगकर्मी डा. कैलाश चंद शर्मा द्वारा रचित चार छोटे-छोटे नाटक एवं स्टेज के नियम, शब्दों के उच्चारण, सुर-ताल की बारीकी से जानकारी दी जा रही है। संस्था द्वारा अब तक श्रीगंगानगर, बांसवाड़ा, बैसड़ा (जैसलमेर), जोधपुर, सिरोही, आबू रोड, भरतपुर एवं जयपुर के रवीन्द्र मंच आदि स्थानों पर सफल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा चुका है।

शिविर की व्यवस्थाएं गांव के हीरालाल, उदयराम एवं पूरनसिंह धाकड़ संभाल रहे हैं। प्रशिक्षण में कुमारी रश्मि, माधुरी, पद्मिनी, सीमा, अल्का, कल्पना, अनीता, कविता, करुणा, बहादुर, कैलाश, लक्ष्मीकांत, प्रियंका, अतुल, गौरव, हिना, पल्लवी आदि सहयोग दे रहे हैं। जबकि माधुरी एवं अलका द्वारा ढूंढाड़ी नृत्य एवं गीतों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

डा. कैलाशचंद शर्मा ने बताया 6 जून तक चलने वाले इस शिविर का समापन समारोह भी अपने आप में अनोखा होगा, क्योंकि इसमें प्रशिक्षणार्थी नाटक, गीत एवं ढूंढाड़ी नृत्यों के माध्यम से उस ग्रामीण वातावरण की प्रस्तुति करेंगे जो आज लुप्त प्रायः हो गयी है। निर्देशक नृत्य एवं नाटकों की वेशभूषा को लेकर विशेष रूप से चिंतित हैं क्योंकि आज से 50 वर्ष पूर्व का पहनावा शहर तो क्या गांवों में भी उपलब्ध नहीं है।

अमर उजाला आगरा, गुरुवार, 28 दिसंबर, 2006 9

भरतपुर के कलाकारों ने खूब लूटी वाहवाही

भरतपुर। त्रिवेणी कला संगम के बैनर तले भरतपुर के कलाकारों ने जयपुर के रवीन्द्र मंच पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। दर्शकों ने नाट्य प्रस्तुति का लुत्फ उठाया।

त्रिवेणी कला संगम द्वारा रवींद्र मंच पर 25 दिसंबर को हुए संगीत, नृत्य और नाट्य कार्यक्रम में संस्थापक एवं रंगकर्मी डाक्टर कैलाशचंद शर्मा के नेतृत्व में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। डा. शर्मा द्वारा लिखित नाटक 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का 25 और 'लाड़ो मैड़ की' का प्रस्तुतीकरण 26 दिसंबर को किया गया। लाड़ो मैड़ की में 40 वर्ष पूर्व के ग्राम्य जीवन, संस्कृति, बोली-भाषा, रीति-रिवाज और वेशभूषा का दिग्दर्शन किया गया। हास्य नाटक मन चंगा तो कठौती में गंगा के माध्यम से राजपूताना काल के कथानक के इर्द गिर्द यह कथा घूमती है। ठाकुर एवं उनके विवाह के समय ही ससुराल से आये नौकर ननुआ के कथानक के माध्यम से इसमें गुदगुदाने वाली हास्य प्रस्तुति दी गई। इसमें ठाकुर एवं उस्ताद के रूप में डा. कैलाशचंद शर्मा, ननुआ और जमूरे के रूप में महेश कुमार सोनी, पुजारी के रूप में बाबूलाल शर्मा और काजी के रूप में रश्मी सोनी ने अपना प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया। दो दिवसीय इस नाट्य प्रस्तुति में भरतपुर के नवोदित कलाकारों ने डा.कैलाशचंद शर्मा के निर्देशन में अपनी प्रस्तुतियां दी। हास्य नाटक ढोल की पोल का भी मंचन किया गया जिसमें पुष्पेंद्र खंडेलवाल, पुरुषोत्तम, नमोनारायण, विश्राम गुर्जर, हेमंत शर्मा, लक्ष्मीकांत और मनमोहन आर्य ने अपनी अभिनय कला का परिचय दिया। समारोह में मुख्य अतिथि भरतपुर की डा.अलका अग्रवाल और चित्तौड़गढ़ के श्रीराम शर्मा ने कलाकारों का मनोबल बढ़ाया।

खूब लूटी वाहवाही: जयपुर के रविंद्र मंच पर नाटक का मंचन करते भरतपुर के कलाकार। फोटो : अमर उजाला

• जयपुर, शुक्रवार, 29 दिसंबर, 2006 **दैनिक नवज्योति**

नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

न्यूज सर्विस

भरतपुर, 28 दिसम्बर। त्रिवेणी कला संगम द्वारा 25 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक भरतपुर में संगीत, नृत्य एवं नाट्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें इस क्षेत्र से जुड़ने की इच्छुक नवीन प्रतिभाओं को संस्था के संस्थापक, रंगकर्मी डा कैलाश चन्द्र शर्मा द्वारा रंगमंच की बारीकियों के साथ सुर, ताल एवं लय की जानकारी दी गई। शिविर में समापन समारोह में रवीन्द्र मंच जयपुर पर 25 दिसम्बर को डा कैलाश चन्द्र शर्मा द्वारा लिखित नाटक मन चंगा तो कठौती में गंगा एवं 26 दिसम्बर को लाड़ो मैड़ की का प्रस्तुतीकरण किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भरतपुर की डा अलका अग्रवाल एवं चित्तौड़गढ़ के श्रीराम शर्मा ने अपनी उपस्थिति से कलाकारों का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर ग्राम विराटनगर के प्रतिनिधि एवं जयपुर के रंगकर्मियों ने प्रस्तुतियों की सराहना की। नाटक में संगीत पक्ष प्रधान था जिसमें ग्यारह ढूंढाड़ी गीतों पर अभिनय प्रस्तुत किया गया, नाट्य प्रस्तुतियों में पार्श्व गायन उत्तरांचल की कु ऋचा पंत एवं तबला संगति श्रीमती आर पंत की थी।

राजस्थान पत्रिका अलवर » गुरुवार » 28 दिसम्बर, 2006

जयपुर के रविन्द्र रंगमंच पर प्रस्तुति देते भरतपुर के कलाकार।

नवोदित कलाकारों ने दी रविन्द्र मंच पर प्रस्तुति

कार्यालय संवाददाता

भरतपुर, 27 दिसम्बर। त्रिवेणी कला संगम की ओर से आयोजित एक माह के प्रशिक्षण शिविर का समापन गत दिनों जयपुर में रविन्द्र मंच पर हुआ।

इसमें स्थानीय नवोदित कलाकारों ने डॉ. कैलाश चंद शर्मा द्वारा लिखित नाटक 'मन चंगा तो कठोती में गंगा' तथा 'लाड़ो मैड़ की' प्रस्तुति दी। यहां हास्य नाटक 'ढोल की पोल' में भरतपुर के कलाकार पुष्पेन्द्र खण्डेलवाल, पुरुषोत्तम, रोहि[illegible] कौशिक, नमोनारायण, विश्राम गुर्जर, हेमन्त शर्मा, लक्ष्मीकान्त एवं मनमोहन आर्य की प्रस्तुति को सभी ने सराहा।

इस मौके पर नाट्य प्रस्तुतियों में पार्श्व गायक उत्तरांचल की ऋचा पंत एवं तबला संगति श्रीमती आर. पंत की थी।